ओडिशा के वन में दिखा ब्लैक पैंथर

चर्चा में क्यों?

ओडिशा के सुंदरगढ़ ज़िले के जंगल में ब्लैक पैंथर की उपस्थिति की पुष्टि हुई है। इस ब्लैक पैंथर की गतिविधि कैमरे में रिकॉर्ड हुई है। ये फ़ोटोग्राफ ओडिशा को नौवा राज्य बनाते हैं जहाँ दुर्लभ प्रजाति की बड़ी बिल्ली पाई गई है।

महत्त्वपूर्ण बिंदु

- ब्लैक पैंथर या मेलानिस्टिक तेंदुआ (melanistic leopard), भारतीय तेंदुए के रंग में भिन्नता है और सुंदरगढ़ वन विभाग के हेमगीर रेंज के गर्जनपहाड़ रिज़र्व फ़ॉरेस्ट में इसकी उपस्थिति दर्ज की गई है।
- यह पहली बार है जब ओडिशा के जंगलों में ब्लैक पैंथर की उपस्थिति दर्ज की गई है।
- तेंदुए की त्वचा के रंग अलग-अलग होता है तथा गहरे रंग के मेलानिस्टिक स्वरूप को ब्लैक पैंथर कहा जाता है।
- यह आम तेंदुओं की तरह ही शर्मीला होता है तथा इसको पहचान पाना बहुत मुश्किल होता है।
- यह मुख्य रूप से दक्षिण भारत के घने जंगलों में पाया जाता है।
- संरक्षित वन क्षेत्र जहाँ ब्लैक पैंथर पाया गया है, हेमगिरि तथा गोपालपुर रेंज में क्रमशः 5947.47 हेक्टेयर तथा 4090.65 हेक्टेयर के क्षेत्र में फैला हुआ है।
- हालाँकि, ब्लैक पैंथर की उपस्थिति की खबर 26 साल पहले आई थी लेकिन किसी भी वैज्ञानिक या सचित्र रिकॉर्ड ने इस दावे की पुष्टि नहीं की थी।
- केरल (पेरियार टाइगर रिज़र्व), कर्नाटक (भद्र टाइगर रिज़र्व, दांदेली-अंशी टाइगर रिज़र्व और कबीनी वन्यजीव अभयारण्य), छत्तीसगढ़ (अंचनमार टाइगर रिज़र्व), महाराष्ट्र (सतारा), गोवा (म्हादई वन्यजीव अभयारण्य), तमिलनाडु (मुदुमलै टाइगर रिज़र्व), असम और अरुणाचल प्रदेश में भी ब्लैक पैंथर की उपस्थिति दर्ज की गई है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/camera-traps-record-rare-black-panther-in-odisha